

Digit

५२०१५१५१३१

५२०१५१५१३१

ASHA ARCHIVES

5, 10, 15, 20, 25, 30, 35, 40, 45, 50, 55, 60, 65, 70, 75, 80, 85, 90, 95, 100	
910	
ASHA ARCHIVES	

८ॐ नमः ४१ माहादेवाय
 नमः ॥ यजमानयस्य कानन ॥
 नमः कलसाञ्जन ॥ सूर्यार्च ॥ ४१
 शुभनमस्तु ॥ न्यास ॥ ॐ ह्रीं
 ज्ञानाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सुजगद्गुणाय
 नमः ॥ ॐ ह्रीं सुनन्दे न्यायन
 मः ॥ ॐ ह्रीं समध्यायनमः ॥ ॐ
 ह्रीं सुजगन्मिकाय नमः ॥ ॐ ह्रीं
 सुकनिष्ठाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सुसा
 यनमः ॥ ॐ ह्रीं सुदयाय नमः
 ॥ शिवाय नमः ॥ शिवाय वा
 षट् ॥ ३ कवचाय नमः ॥ ३ नन्द
 यवषट् ॥ ३ ज्ञानाय नमः ॥
 ॐ ह्रीं न्याय उद्वकाय नमः
 ॥ यनय न्याय पूर्ववकाय न
 मः ॥ नैज्या नाय दर्शनवका
 नमः ॥ वीरवामदेवाय उन्नवका
 यनमः ॥ ॥ नैसर्गानाय
 यष्टि मवकाय नमः ॥ किनि २
 विष्णुय नाय नवकाय नमः ॥
 ॐ नैवक्रं न्यासः ॥ ज्ञानाय
 पूजा ॥ स्वतन्त्र नैसर्गिक ॥ आ
 वाक्ष्यानि मूलाय दण्डाय ॥ आ
 लय पूजा ॥ ॐ ह्रीं सुविनयका

या ॥ आसन ॥ ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४
 काय नमः ॥ ३ कीर्तन नवासा
 यनमः ॥ ३ कदास्माय नमः ॥ ३
 कङ्किकाय नमः ॥ ३ नालासा
 यनमः ॥ ३ युगसाय नमः ॥ ३ य
 द्वासाय नमः ॥ ३ केमलासाय न
 मः ॥ ३ ध्यान ॥ ॐ ह्रीं सुद सुदिक
 संकासः ॥ नन्दं चद्रमालिकः
 वलदारुय नन्दं चद्रमाला
 धनं चद्रं ॥ ३ वीरवामदेवाय
 ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥ ॐ नैवक्रं
 निधनाय मोहालका ४ ॥ ४
 नाय सैव ॐ यादका ॥ ४ ॥ यन
 मः ॥ ज्ञानाय नमः ॥ कावचिनमः
 ॥ कासकि नमः ॥ गङ्गाय नमः ॥
 नर्मदाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥
 ज्ञानाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥
 आ ॥ ॥ सुकि दसाय नमः ॥
 धिक नमः ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥
 ज्ञानाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥
 ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥
 साय सैव नाका साधिक नमः
 ॥ ॐ ह्रीं सुधन ४ ॥ वननाय यासुः

सायकलाधिकनमः॥ ॐ

शस॥ वायुवाधकदस्माय
यवनाधिकनमः॥ ॐ शस

॥ कुवनायशदादस्माय
नाधिकनमः॥ ॐ ॐ सानाय

निष्ठुनरुस्मात्तुनाधिकनमः
॥ ॐ अननोयवकुदस्माय

नागमधिकनमः॥ ॐ वृक्षनय
द्वरुस्मायस्वर्गधीनमः॥

॥ ॐ निदसभाकयान॥

ॐ अस्वस्मादि अष्टविंशति
वस्थानमः॥ अस्वस्मायनमः

॥ वलिनमः॥ व्यासायनमः॥
रुन्मनायनमः॥ विहिषना

यनमः॥ कयायनमः॥ येनष्टुः
नामायनमः॥ मार्कण्डेयवेन

मः॥ पुनियुद्धादि यद्वनियिस्मा
नमः॥ अष्टुद्धादि अस्माविंसति

नक्रस्थानमः॥ विष्कंसादिस
काविंसतियागस्थानमः॥ भषा
दिष्टादष्टागस्थानमः॥ मूद्र

लस्थानमः॥ अननायनमः॥

वाष्टुकिनमः॥ नक्रकायनमः

॥ कुलिकायनमः॥ कर्कातका
यनमः॥ संभयालायनमः॥ य

द्वायनमः॥ महायद्वायनमः॥
गान्धिवनमः॥ विद्यायनमः॥

कलायनमः॥ निवर्त्तिनमः॥
यनिष्ठायनमः॥ वृक्षननमः॥

विष्णुवनमः॥ नृदायनमः॥ गदा
धियायनमः॥ संयुक्तकलसा

यमूर्च्छानमः॥ त्रियात्रलि॥ ग
द्वं॥ कलवृक्षमहासनसमा

रुन्मनायनमः॥ सुकलतिथ्यमक्रुदवना
कयलनलाधिकयवृक्षवि

ष्णुनृदानमः॥ अमविद्याधि
वनलाधिकयद्वं॥ संयुक्तकनसा

मूर्च्छयादकाय॥ ॐ ॐ ॐ
सद्वदयादि यष्टुगत्यादि॥

थमंगनवल्लि॥ कं कं कं कं
यालायवनिष्ठद्रु २ स्था हा॥ ॐ

कौकुनयुववदुकनाथयन
म॥ क्लीं श्री कलेश्वरनाथ
नम॥ थवथवमन्त्रवलि॥
धृय॥ दिय॥ जाय॥ ॐ ईं सोहा
०॥ स्तोत्र॥ नन्नाखधिसकनगी
थजलनयूर्ण॥ स्वच्छवल्गु
वसाहितयषामाला॥ ऊर्ध्व
जाऊ विषया॥ मुनिकियुसंस्तु
॥ लीं कुसुमलिङ्गिवशकियुनं
नमामि॥ थनकलेश्वरयुजा॥
॥ नन्नायचेश्वरालयुजा॥

॥ कौं कौं सुत्रायनम॥
यौं यौं यौं सामायनम॥
कौं कौं कौं अंगनानम॥ वौं वौं
वृं वृं यनम॥ ॥ कौं कौं
कौं वृं यनम॥ ॥ कौं कौं कौं
कौं यनम॥ ॥ ॐ ॐ ॐ
गनिष्ठनायनम॥ कौं कौं कौं नाद
वनम॥ ॥ कौं कौं कौं कटव
नम॥ कौं कौं कौं अर्धननम॥ धृ
य॥ दिय॥ थवथवमन्त्रनजाय॥
स्तोत्र॥ सुत्रसामासदियुन॥ वृ
धदवाठुनाकृष्ट॥ गनिष्ठना

शृङ्गानाद्रुकुतुर्धर्मनामास्तु
न॥ २४०० पंचेश्वरालयुजन॥

नन्नावलियुजनं॥ अतलान
कलत्रं गत्यास॥ ऊर्ध्वयान
ऊर्ध्वयानयुजा॥ कृन्तुद्वि
॥ अर्धयुजा॥ युजन॥ त्रिद
व॥ वृक्षाद्यादि॥ अर्धयान॥ व
क॥ वनिसि॥ अर्धयुजनं
॥ अथययामूलमन्त्रननि
यं कृत्ति॥ कृन्तुवनि॥ कौं कौं
ऊर्ध्वयानयुजा॥ ऊर्ध्वयान
नम॥ सूर्यदेवनाम॥ अर्धयान
लिङ्गद्रव्यानां॥ वृजनि
नम॥ नकादिनाम॥ समस्त
नवासिनम॥ स्वयंजिनम॥
समस्तनवागिनम॥ ॐ न
योगिनिनम॥ ॐ कृन्तुवनि
नम॥ विकटाधनानम॥ ल
वृकवर्धनानम॥ कृन्तुकाव
कौं स॥ कृन्तुकावकौं स्याति
निश्चावलिलिङ्गद्रव्यानां॥

॥ हृत्कादवलिवियमा
न॥ लाकमहावलिनधून
क॥ ^{धुप}पुनोदिव॥ ॥ जाये॥
कवन०॥ ^{सुग}सुग॥ पूर्व
किं पश्चिमाउलनसि
वापूर्वाभिमालासिका॥
कृष्णवतकुन॥ दुर्गहन
न॥ रुनमनाथयच॥ सम
सानाथननाभिकववीउ
रि॥ साकाभिकामयुहा॥
नित्यानन्दमहियुमादिन
महा॥ वल्लभाभियुजाविधि
॥ नयन॥ थनवलियुजाः
विधि॥ ॥ नगाऊं सुय
कुन॥ अथागामुनकन॥
अङ्गनास॥ अल॥ याग॥ अ
द्येयागपूजा॥ पूजन॥ वक्र
नादि॥ गसर॥ अन्नन्दसकि
रुनवानन्दवीनाभियनय
गामहाविद्यानाऊसुनाः
दमा॥ कुनकुम॥ हानिकाय
॥ अलिमूलययादुका
पू॥ अयामि॥ नियाऊं लि॥
वऊं॥ अथागामु॥ वऊं॥ स्व

ननसंयुक्त ॥ थवथवमनु
 नवल्लि ॥ धूय ॥ दिय ॥ जाय
 ॥ स्तान ॥ वधूनाभार्यादि ॥
 थनैडीरुयूजा विधि ॥
 नना ॥ थदिलीयूजन ॥
 निवृष्टिन्यासयाय ॥ कुलयात्र ॥
 जूर्ययात्रयूजा ॥ रुगष्टुमि ॥
 आत्मयूजा ॥ यूनन ॥ यंयवः
 लि ॥ निदव ॥ यागिनी ॥ ब्रह्मा
 दिलाकयाल ॥ जयादि ॥ षड
 गकिनी ॥ चतुष्टि ॥ जूया
 ॥ वतिष्ठि ॥ श्वथयज्ञना ॥ अ
 थाययामनु ॥ वऊ ॥ रुकान ॥
 सकान ॥ थनसं ॥ थवथवम
 नुनैवल्लि ॥ धूय ॥ दिय ॥ जा
 य ॥ स्तान ॥ थनथष्टुलियूजा
 मध्यातिस्मात्यादि ॥

ॐ नमामासुकेलवाय ॥ तन्ना
ज्मिका र्य कानयन् ॥ सूर्या
र्य ॥ ज्वादिमासुनकेतु ॥ व
र्णानविजमृद्धि सुं नस्ययनि
शिर्वलितं ॥ ज्वादिमवसान
तुज्मिनयविकुशितं ॥ मर्मना
सुनैल्वेश्व गायत्येवतकुक्षितं

नमः॥ ॐ ह्रीं रुद्राकाराय नमः॥
 ॐ ह्रीं सखाकाराय नमः॥ ॐ ह्रीं मरु
 लाकाराय नमः॥ ॐ ह्रीं नयलाकाराय
 नमः॥ ॐ ह्रीं कर्णलाकाराय नमः॥
 ॐ ह्रीं सखलाकाराय नमः॥ ॐ ह्रीं
 धनं द्रुमं नंदं दामिनीयुक्तं॥
 त्रिकान्तसंयुक्तं॥ पूर्व॥ ॐ ह्रीं
 आत्मतत्त्वाय नमः॥ नैमल्य॥ ॐ
 ह्रीं विद्यातत्त्वाय नमः॥ वायुव्य॥
 ॐ ह्रीं सिवतत्त्वाय नमः॥ ॐ ह्रीं व
 द्भिन्नयाय विद्मद् स्वच्छं दायि
 मरुतं नावद्विप्रदायान्॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं स्वच्छं दामाहं न
 वायुसर्वं नचाय नमः॥ ॐ ह्रीं युक्तं
 कर्णं॥ ॐ ह्रीं वाणीस्य नमः॥
 ॐ ह्रीं वाणिष्ठ्याय नमः॥ ॐ ह्रीं
 समिधाय नमः॥ ॐ ह्रीं॥ ॐ ह्रीं
 याथासंकाशं सर्वलक्षणं सं
 शतं॥ ॐ ह्रीं यत्तद्वर्त्मनि दविवा
 शाद्यवल्लभं कुरु॥ ॐ ह्रीं म
 ॐ ह्रीं विविधं॥ ॐ ह्रीं हृदयाय

[illegible]

नमः शुभमग्निनाहन ॥ अंकी
 डीङ्कं ४४ ४४ चमदाकेन वायनम
 ॥ याकन ॥ अजुमाहू ॥ अकव
 वायकं ॥ अवगुण्ठनं ॥
 शिमनायाथसतिन ॥ सिंधु ॥
 अजमका ॥ स्नान ॥ पूजन ॥ डी
 डीङ्कं ४४ ४४ चमदाकेन वायन
 म ॥ अदंजनसंयुक्त ॥ अवाक्य
 धनूमद्रायदशयत् ॥ अतश्चिम
 नायाथपूजनं ॥ ॥ यद्वेवा
 थलयाथाताव ॥ शिमनायाथन
 अग्निकुण्डयक ॥ अत्र ३ ॥
 शासंवतायदेय ॥ अयनयम
 नु ॥ अजुचक्रथनरुनिकण
 लययनकीकलानलवय ॥
 नौनौनवद्विद्वनंथायनम ॥
 अत्र ३ ॥ डीङ्कं ४४ ४४ चमदा
 केन वायसर्वेनलायनम ॥ अ
 त्र ३ ॥ स्वस्यदविसमूलमनु ॥
 अत्र ३ ॥ अद्यादि ॥ मासनकव
 त्यादि ॥ अग्नि स्नायसमूलास्तु
 स्वादा ॥ स्वसिवाकयउय ॥
 स्वसिअकोसदाविद्यि ॥ स्व
 सिमालुदवदा ॥ अग्निनास्व
 सिमर्वी ४४ ४४ स्वसिया ॥ अस्वदाह

का॥ यूर्ध्वं च किं नयः ॥
 उर्ध्वं च दाहलस्य ॥ स्वस्ति
 स्वच्छागमस्तु ॥ गुरुकाय
 कठदवना ॥ रुत्रवाहिनैव
 साक्षात् स्वस्ति स्वस्ति ॥ स्वस्ति
 का॥ स्वस्ति ॥ स्वस्ति ॥ स्वस्ति ॥
 स्वस्ति ॥ यन्निवायिका ॥ कन
 नगुरुनासीत् ॥ स्वस्ति ॥ स्वस्ति
 सासकय ॥ स्वस्ति ॥ वायु
 मना ॥ यागि ॥ यागनना
 यिका ॥ स्वस्ति ॥ दवाधिदवत्य
 ॥ मनुना ॥ अनि ॥ नन ॥ दवा
 यला ॥ लिट्का ॥ स्वस्ति
 कलाग्निदवना ॥ स्वस्ति ॥ वा
 जायुजा ॥ नाय ॥ उऊमाना
 स्वास्तु सर्वदा ॥ यन्मानाव
 ॥ ०॥ ॥ अग्निस्तु ॥ नकान्य
 य ॥ अक्काद ॥ मनु ॥ द्वा
 ददयाय नमः ॥ स्वदकीन ॥ यक्
 वनिदद्यात् ॥ यवयवमनु
 वलिविद्य ॥ ॥ अग्निः
 अग्नि ॥ अग्नि ॥ अग्नि ॥ अग्नि
 दसना ॥ कयालन ॥ यमकुन
 वलि ॥ ॥ अक्काद ॥

[illegible]

हंसजानपतिकारी ॥ दण्डाक
 ॥ कमल ॥ पूजन ॥ ॐ ह्रीं
 वृक्ष नमः ॥ पुत्राय नमः ॥
 ॥ सखादवस्थानमः ॥ ॐ ह्रीं
 साक्षाय नमः ॥ ॐ ह्रीं वृक्षमूल
 यनमः ॥ ॐ ह्रीं वृक्षाय नमः ॥
 षट्छनसंयुक्त ॥ आवद
 यद्रमदादृष्टाय नमः ॥
 यनितस्ववामस्त्राय ॥ पूजनं
 ॥ यनितस्त्रयवाक् ॥ अननं
 पुनर्विकोक्तं ॥ रुनानां अष्ट
 नं नमः ॥ विद्युद्दामयुनिका
 री ॥ कर्मा नृपयुक्तयत् ॥
 गन्तुसुनाय नमः ॥ ॐ ह्रीं
 विष्णुमूलैय नमः ॥ ॐ ह्रीं अ
 निस्थानमः ॥ ॐ ह्रीं यनिताय
 नमः ॥ ॐ ह्रीं वैष्णव नमः ॥ ॐ ह्रीं
 सर्वसाधवस्थानमः ॥ षट्छन
 नसंयुक्त ॥ आवद ॥ अमृता
 दृष्टाय नमः ॥ यनवृक्षाय नितय
 आविधि ॥ ॥ नमः ॥ अक
 ॥ वासाधनं ॥ अमृता नृप
 कन ॥ अमृता नृप अग्नि सय

नमः ॥ कसकृद्विदाक ॥
 नियुक्तायावद्वायत्ता ॥ ॐ
 ह्रीं वृक्षाय नमः ॥ अमनलाय
 नमः ॥ ॥ वायालस ॥ कसवा
 लनथिय ॥ ॐ ह्रीं विद्या
 नलाय वैष्णव नमः ॥ ॥ वास
 ॥ सक्तसम ॥ अथिय ॥ ॐ
 ह्रीं विद्या नलाय नृदाय न
 मः ॥ ॥ वायालस ॥ कसवा
 य ॥ ॐ अस्माय रुद्र ॥ ॥ समा
 र्त्त ॥ ॥ वास लंख अनाम
 न ॥ ॐ ह्रीं विद्या नाथय विद्या
 हस ॥ अयधिमरुतं ना नृद
 यवायत् ॥ ॐ अस्माय रुद्र
 ॥ ॥ वा अमृता नृप कसवा
 न ॥ ॥ वास लंख कायाव ॥ ॥
 वासं ॥ अमृता ॥ स्वर्ग नववर्ल
 रवावलय ॥ ॥ वा नृग्नि
 अष्टद्वयक ॥ अमृता ॥ ॥ वाया
 लंखयनितसक्त ॥ अग्नि कुल
 सक्त ॥ ॥ वा निविदनादि चतु
 सक्त ॥ ॥ ययुक्तं कान्तक

सामायसादा॥ ॐ ह्रीं ह्रीं जिय
नेयसादा॥ ॐ ह्रीं जमायसादा
॥ ॐ ह्रीं वेसनायसादा॥ ॐ ना
वाधुवासन॥ त्यागन॥ ॐ ह्रीं
अष्टिताङ्गुलै नवायनम॥ यज्ज
न॥ आहूतिवियमन॥ ॐ ह्रीं
हृदयायगताधनायसादा
॥ अमन नयनाङ्गिनि॥ यज्जन
॥ ॐ ह्रीं नूनै नवायनम॥
आहूति॥ ॐ ह्रीं गिनस्यूर्ध्व
प्लायसादा॥ यज्जन॥ ॐ ह्रीं व
ज्रै नवायनम॥ आहूति॥
ॐ ह्रीं गिषायधार्मिना नयना
यसादा॥ चला नय॥ यज्जन
॥ ॐ ह्रीं ह्रीं वक्रि संयूर्ध्व मङ्गला
यसादा॥ अमन न आहूति॥
सुविलवक्रुगमकसावनय॥
यज्जन॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं दसमग
रुसंयूर्ध्व मङ्गलायसादा॥
अन आहूति॥ ॐ ह्रीं काधरु
नवायनम॥ यज्जन॥ आहूति
॥ ॐ ह्रीं जानकमायसादा॥

आन॥ काधरु जानकमानि
वर्मानाजनर्माङ्गिनि॥ जानागि
आनकुर्वन्ति॥ आनिनूर्यविविन्न
याधुवक्रमानिदक॥ वाम
शक्तिकमूत्रु॥ मषात्रुधुज्ज
द्वै सुयजि हानमास्यह॥
नीनान्यनदलाकारै नवा
गिदनासनी॥ आनिनूर्ययन
आत्मा॥ समस्तु स्वच्छदरुनै
॥ नतावकाकिकनन
॥ यष्टिभ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं स्या
जनाययष्टिभवकायसादा
॥ उल्ल॥ ॐ ह्रीं ह्रीं वामदवा
यउल्लवकायसादा॥ दकि
न॥ ॐ ह्रीं ह्रीं नैथानायदकि
नवकायसादा॥ यूर्ध्व॥ ॐ ह्रीं
ह्रीं नल्यनूषाययूर्ध्ववका
यसादा॥ मध्व॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं
ह्रीं नानायउर्ध्ववकायसादा
॥ अकिकुलावकाकिकनन
॥ ॐ ह्रीं ह्रीं यष्टिभवकायसा
दा॥ वर्थेतावयंदायक॥ यज्ज

वानधनरायक ॥ ॐ कौं कौं
 वं वामधवा उल नव काय सा
 दा ॥ यं विन नय थं न ॥ ॐ कौं
 कौं नं धा नाय दक्षि नव काय
 सा दा ॥ अविन नव थं न ॥ ॐ
 कौं कौं यं न हू नूषाय पूर्व व का
 सा दा ॥ वं गान या हा य कं मध
 सहायक ॥ ॐ कौं कौं कौं ॐ ॐ
 नाय उद्धव काय सा दा ॥ यं क
 विन य थं ठा व म ध सहायक
 ॥ ॐ कौं कौं कौं कौं कौं ॐ पूर्व द
 क्षि न उल नय ॐ म उद्धावः
 काय सा दा ॥ यं क विन वं क
 लि थं ठा व म ध सहायक ॥
 ॐ कौं कौं दक्षि नव काय कौं सा
 दा ॥ यं क न ॥ ॐ कौं उन्न न न व
 य न म ॥ अर्थ या व लं स्व हा य
 ॥ कौं अमाय रु र ॥ ॐ कौं सद्य
 सुन क ना साय सा दा ॥ अरु
 नि ॥ यं क न ॥ ॐ कौं काया लि सु
 न व वा य न म ॥ अरु नि ॥ ॐ
 कौं कौं दक्षि नव काय कौं कौं

ॐ ॐ दम हा न न वा य ना म क
 ॐ य सा दा ॥ यं क न ॥ ॐ कौं रु
 दया य न म ॥ अरु नि ॥ ॐ कौं रु ल
 या स ना य सा दा ॥ यं क न ॥ ॐ कौं
 कि ष न रं ल वा य न म सा दा ॥
 अरु नि ॥ ॐ कौं अ न या स ना य
 सा दा ॥ यं क न ॥ ॐ कौं कौं दक्षि
 नव काय क ॐ य क ॐ रु दा
 य सा दा ॥ अ सु धा न क सु ख न
 ॥ यं क न ॥ ॐ कौं कौं ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ दम हा न न वा य न म ॥ अ
 रु नि ॥ ॐ कौं कौं कौं कौं कौं दम
 हा न न वा य व न वं ध ना य
 सा दा ॥ यं क न ॥ ॐ कौं रु द
 या य न म ॥ अरु नि ॥ ॐ कौं
 वि वा हा य सा दा ॥ वि वा हा ॥
 दी क्षा वि य ष ठं क न ॥ ॐ कौं स
 हा न रं न वा य न म ॥ थ नं अ
 रु नि ॥ ॥ रा ग न या
 अ ला य नि नि सु न ॥ ॐ कौं वा
 षा ॐ न म ॥ ॐ कौं वा शाः

धनिस्रनीनम॥ वाशास्र
नीविसर्जन॥
ननाजिह्वासंभन॥ ॐ जा
कंदिं नैयायसादा॥ नेम
य॥ ॐ जा लू कनिकाय
सादा॥ यश्चिम॥ ॐ जा वू नि
कायसादा॥ वायुय॥ ॐ जा
धुकुसायसादा॥ अग्नि॥ ॐ
जा कसुयरायसादा॥ पूर्व
॥ ॐ जा सुअनिनाकायसा
दा॥ ॐ सान॥ ॐ जा क्ववक्र
नयायसादा॥ मध्वस॥ जि
ह्वाकल्यानयनभनरुद्र
यान॥ नेमयादिमध्वन॥
ॐ जा नू लू दि नैय कनिका
यसादा॥ नेमयवन्न॥ ॐ
जा धूषे कसायसुयराय
सादा॥ अग्निपूर्व॥ ॐ जा वू
धूनकायकसायसादा॥ वा
युयजग्नि॥ ॐ जा धू धू धू य
रायजग्निनीकायसादा॥

पूर्व ॐ भन॥ कअस्मायरुद्र
॥ धनजिह्वाकंदन॥ ॐ जा व
क्रनयायसादा॥ मध्वस॥ धन
युनाभन॥ ॥ ननायना
कनिविसरु॥ निदव३॥ ॐ जा
दि॥ ॐ जा यवजहस्मायधू
नाधिकयसादा॥ ॐ जा अ
धू यगकिहस्मायनजाधि
कयसादा॥ ॐ जा जमायद
धू हस्मायधू नाधिकयसादा॥
ॐ जा नेमयायखमिहस्मायना
कसाधिकयसादा॥ ॐ जा व
क्रनाययासरुस्मायजलाधि
कयसादा॥ ॐ जा वायुयध
जहस्मायधू नाधिकयसादा
॥ ॐ जा क्ववनायगदाहस्मा
यधनाधिकयसादा॥ ॐ जा
ॐ सान्यायनिधू नदस्माय
धू नाधिकयसादा॥ ॐ जा
अनैयवक्रहस्मायनाग
धिकयसादा॥ ॐ जा वक्र

नयद्रुहसायस्वर्गे। धिय
यसाहा॥ ॐ निनाकयाल
॥ रुद्रकादिविसीरु॥ ॐ ऊं
रुद्रककृयालायसा
हा॥ ॐ ऊं निपुत्रांनकक
रुयालायसाहा॥ ॐ ऊं अग्र
येनालकृयालायसाहा॥
ॐ ऊं अग्निजिह्वा नकृया
लायसाहा॥ ॐ ऊं कालाक
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं क
लात्रिनकृयालायसाहा॥
ॐ ऊं अकयाठकृयाला
यसाहा॥ ॐ ऊं सीमत्रयक
रुयायसाहा॥ ॐ ऊं गमकृ
यालायसाहा॥ ॐ ऊं कर्मय
सकृयालायसाहा॥ ॐ नि
रुद्रकादि॥ ॥ ननायया
गदिविसीरु॥ ॐ ऊं युयाग
कृयालायसाहा॥ ॐ ऊं वन
कृयालायसाहा॥ ॐ ऊं का
लायलकृयालायसाहा॥

ॐ ऊं अद्वहसकृयालायसाहा
॥ ॐ ऊं अयनियूनकृयाला
यसाहा॥ ॐ ऊं वनिगृया
लायसाहा॥ ॐ ऊं अकामिक
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं अवि
कानकृयालायसाहा॥ ॐ निपु
यागदि॥ ॥ ननाअग्निना
गमकादिविसीरु॥ ॐ ऊं अग्नि
नामकृयालायसाहा॥ ॐ ऊं क
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं वंशु
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं काधकृ
यालायसाहा॥ ॐ ऊं उनमन
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं कयालि
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं सीष
कृया नायसाहा॥ ॐ ऊं सीहा
कृया नायसाहा॥ ॐ निअग्नि
नामदि॥ ॥ ननावक्रान्ता
दिविसीरु॥ ॐ वक्रायनिसाहा
॥ ॐ ऊं कमाद्वहनीसाहा॥
ॐ ऊं रीकमानिसाहा॥ ॐ ऊं
टवेम्विसाहा॥ ॐ ऊं नवानादि
साहा॥ ॐ ऊं यंत्रदायनीसाहा

॥ ॐ कौंयं चामु अय स्वाहा ॥ ॐ
कौं समदाला स्वाहा ॥ ॐ निव
क्रायादि ॥ ॥ कलसुयानं
आकृतिवियमं ॥ ॐ कौं स ॥ स्वा
हा ॥ थलिलयानं आकृति ॥ मकु
॥ रुं आसर स्वाहा ॥ यं कौं
लयानं नवगुदन आकृति ॥
वलियानं कृत्तन ॥ ॐ रुयानं स
काल र स्वाहा ॥ यं च वलिया
नं ॥ वक्रा यलिनयानं ॥ चउ
वदियानं ॥ अग्नि कुलुशव
अरुयानं ॥ अयया कवसुं
निठव आदिन संक समसुं
वियमाल ॥ सुर्क सुं ॥ रं रुया
नं ॥ यशुयनियानं ॥ यं ॥ ॐ ॥
नी सुं ॥ द ॥ ॐ ॥ याठन वियमान
॥ सालाड आदिन नवविधिः
सुं ॥ रं लव रु सुं ॥ नकिनी रु
सुं ॥ रुम रु सुं ॥ अयया अरु
कमन मालकी खायमाल ॥
थन सुं थव र मं न रु रु रुः
निवि सुं रु रु रु ॥ य ॥ ॐ ॥ यानं
॥ आकृतिवियमं ॥ ॐ कौं कौं

कस ॥ ॐ नवाय स्वाहा ॥
॥ ॐ न ॥ ॐ ॥ य ॥ ॐ ॥ य ॥
॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
वहा वक्रा कुरुमि सुका ॥ ॐ ॥
युं ॥ समा कृताय लकला
वाला कृता वा ॥ ॐ ॥ मायाम
कृविय कुलं क कलिनं मूलं
वविधं सि का ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
समसुं कामज ननी सकिं
यया सा सु रु विन ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
वि ॥ ॐ ॥ सुमला सु स्वाहा ॥
थन रु ना कृति रु ना ॥
नना हा मया न ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
अस्मा य रु ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
स्वन हाय ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
असु मनु न ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
न ॥ सुमि क वाय ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
रुं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
लि ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
लि ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कान ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
नयाना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
मया न सुनयाव ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ययकर्म ॥ वाक् ॥ नमामि या
 वकागर्ज युविनु सर्वे कर्म ॥
 ॥ वेसाननामदागर्जा ॥ देवा
 नां हवदायक ॥ सर्वे कर्म
 नि साखिर्मा ॥ अजिहाजन
 कारक ॥ अग्निजादि सना
 थया ॥ तिलाकदिनका मया
 ॥ सयुक्तमनिर्यानि ॥ ऊरू
 कर्मसु दानि य ॥ अवा यो
 यनमस्तु स ॥ नमस्तु ॥ नि
 दायक ॥ दधिहामा चूनाय
 वि ॥ की नदामने सानिक ॥
 ममासं लुपुनं दला ॥ नाग
 वाधिविनासन ॥ ऊयकुष्मा
 निप्रहामा ॥ दायवृद्धि ऊव
 दन ॥ युष्टि ॥ वेवसदाहामे
 गिरुकी न ॥ लुपिये ॥ अर्को
 नासदिनवाधि ॥ नन्दयलास
 ममिदे ॥ खडलं मथला राय
 ॥ अयामागर्जवदुपुनक ॥ स
 मिसमथनयाटी ॥ सी राऊं मध
 नाविनी ॥ असक्तलरुवकाम
 दधी आयुधवर्द्धन ॥ असद

वनिर्देजाव ॥ यथा ॥ अयस्काम
 नाथ ॥ अवायमर्कसा हवय
 नुं उयदायामि ॥ ऊजमानस्य
 अवाय ॥ हवयातु द्वाय ॥ वा
 ॥ दनवाक् ॥ अवाय ॥ दधि
 ना ॥ हवयातु ॥ य ॥ नयाय ॥
 माउससमिध आसनन ॥ ११ वा
 क् ॥ ॥ लम ॥ ननासुनन ॥
 यावनैयलमदुदि ॥ नमार् ॥ लदि
 यदल्यद ॥ सीषाथकव यामिन
 ॥ ॥ थन ॥ अग्निस्तक ॥ याथना
 याय ॥ निलाकनि विहीर ॥ य
 नाकनि वियार्क थन विसद ॥ वि
 दव अदिन ॥ समस्तु स ॥ अग्नि
 यनाकनि विलो ॥ उलि ॥ निना
 कनि ॥ खंड वियमालख ॥
 ॐ ऊं ॥ दायसाहा ॥ ॐ ऊं
 ऊमायसाहा ॥ ॐ ऊं ॥ नमसा
 यसाहा ॥ ॐ ऊं ॥ वननायसा
 हा ॥ ॐ ऊं ॥ वायुसाहा ॥ ॐ
 ऊं ॥ ऊवनायसाहा ॥ ॐ ऊं ॥
 ॥ नायसाहा ॥ ॐ ऊं ॥ अन
 यसाहा ॥ ॐ ऊं ॥ वक्रनयदह

॥ अवायमर्कसा हवय ॥

सायसाहा ॥ ॐ निला कयाल ॥ हं
॥ हउकादिविस्तर ॥ ॐ झां ह
उककउयालायसाहा ॥ ॐ झां नि
यूलानककउयालायसाहा ॥ ॐ
झां जग्नि वेनाल कउयालायसाहा
॥ ॐ झां जग्नि जि झां कउयालायसा
हा ॥ ॐ झां काला ककउयालायसा
हा ॥ ॐ झां कलालि नकउयालाय
साहा ॥ ॐ झां चकपाउकउयालाय
साहा ॥ ॐ झां राम नयकउयालाय
साहा ॥ ॐ झां दामल कउयालाय
साहा ॥ ॐ झां कर्म यय कउयाला
यसाहा ॥ ॐ निरुतु केदि ॥
नगायुयागदि विस्तर ॥ ॐ झां य
याग कउयालायसाहा ॥ ॐ झां
व नर कउयालायसाहा ॥ ॐ झां
कोलायूल कउयालायसाहा ॥ ॐ
झां जूई हास कउयालायसाहा ॥
ॐ झां जयं निपूल कउयालायसा
हा ॥ ॐ झां चनित्र कयालायसाहा
॥ ॐ झां चकीम ककउयालायसाहा
॥ ॐ झां रुविकाठ कउयालायसाहा ॥

ॐ निरुयुयागदि ॥ ॥ नगाज
गिनाडा दि विस्तर ॥ ॐ झां जग्नि
नरु रेलवायसाहा ॥ ॐ झां नरु
नरु रेलवायसाहा ॥ ॐ झां वरु न
नवायसाहा ॥ ॐ झां को वरु न
वायसाहा ॥ ॐ झां उमन रेलवा
यसाहा ॥ ॐ झां कयालि मुकु न
वायसाहा ॥ ॐ झां कीषन रेलवा
यसाहा ॥ ॐ झां रेलल रेलवा
यसाहा ॥ ॐ निरुजग्नि नाडा दि
॥ वक्राया दि विस्तर ॥
ॐ झां जैवक्राय निस्तर ॥ ॐ झां
कमादु रेल निस्तर ॥ ॐ झां रेल
मानी साहा ॥ ॐ झां टवे रेल विस्तर
हा ॥ ॐ झां नैवा नाहिसाहा ॥ ॐ
झां येने जय निस्तर ॥ ॐ झां रेल
महा वी ॥ येना उयसाहा ॥ ॐ झां
रैमहाल क्री साहा ॥ ॐ निरुवक्रा
यादि ॥ रुडा वलुयान अकनि
॥ मनु ॥ गं गं रेल ॥ ॐ ४ कल गं
॥ ॐ रेल नायसाहा ॥ चद्र वानथि
यक ॥ गान ॥ हं नायासाद नय
यादि ॥ ॥ माल नैव कयान ॥ ॐ
की कलयु वद्र क नाथयसाहा
॥ गान ॥ ॥ नकी वल अलि
यंक जनायादि ॥ वलियान ॥

कांकी ईद ४ कृपा लाय स्वाहा
 ॥ गान् ॥ यिं अक्रियादि ॥ यं वमा
 प्रयानं ॥ नवगुह न ॥ गान् ॥ न
 वीमानं गुहं कवत्यादि ॥ थं दि
 लियानं आकृति ॥ मनु ॥ हर आ
 स र स्वाहा ॥ गान् ॥ सामालका
 त्यादि ॥ उक्रिया नं आकृति ॥ स
 र स्वाहा ॥ गान् ॥ लाषाणि नुल
 वन नात्यादि ॥ गम गम सयानं ॥
 आकृति ॥ मनु ॥ न न्याय स्वाहा ॥
 गान् ॥ वन्दिना सिवणि ॥ ४४ नत्या
 दि ॥ कृष्ण लयुजा यानं आकृति
 ॥ मनु ॥ रं कामालि स्वाहा ॥ गान्
 ॥ लकाणि नु नव न नात्यादि ॥
 कनसय निष्पयानं आकृति वि
 य ॥ मनु ॥ उं ई स्वाहा ॥ अल ३४
 ॥ गान् ॥ द वाम र्कं जया श्री त्यादि
 ॥ यनिष्ठि भा सि द वा णि त्यादि ॥
 थन या नु गु लिन ला डा व य वि
 ष्याया ॥ यं व वलियानं ॥ वक्रा
 यनिनयानं ॥ यदुर्वेदियानं ॥ अ
 गिन कु गु डा व ठा रू यानं ॥ अय
 याद व र्क र्क थ व श मनु न आ
 कृति विय ॥ सू र्क र्क ॥ च गु यानं
 ॥ यष्टु यनि र्क ॥ वं ॥ सु ख नी र्क ॥
 ३ तिद व अदिन सम र्क

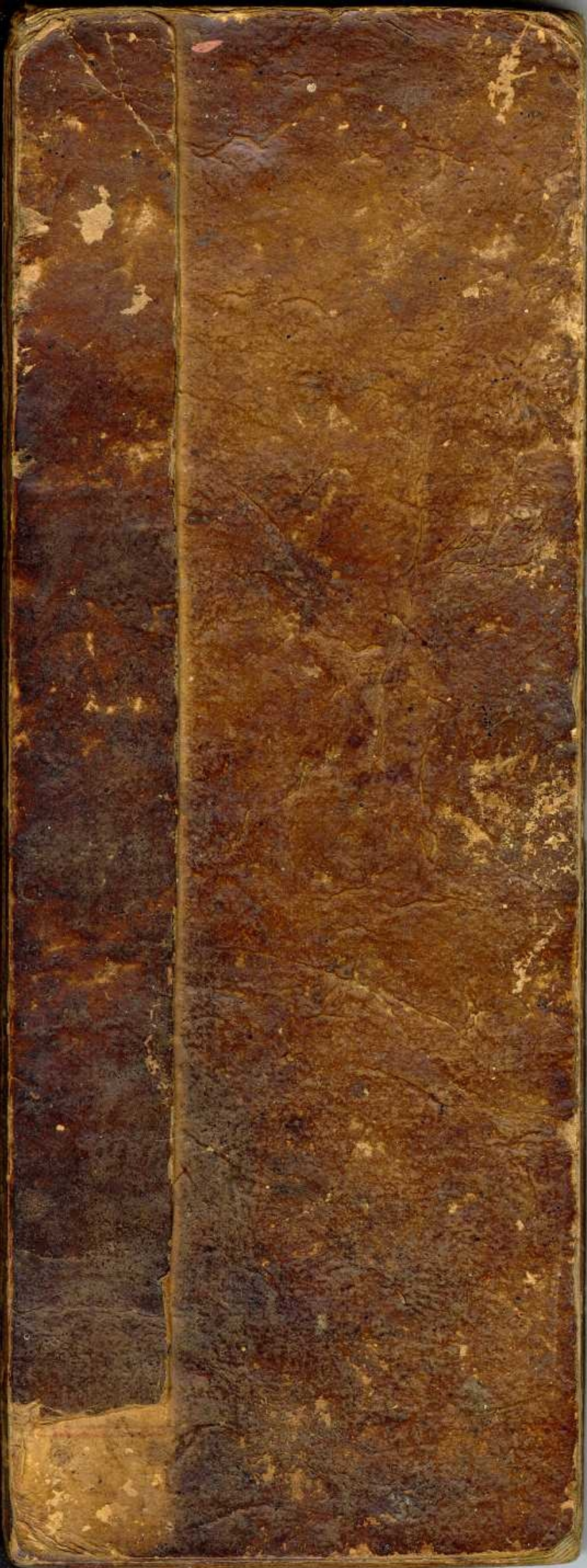
दशमयाट न वि य माल ॥ साना उ
 आदिन न व य र्क र्क ॥ र्क न व र्क
 र्क ॥ न कि नी र्क र्क ॥ र्क र्क र्क
 ॥ अय या अ नू क म न माल का स्वा
 य माल ॥ थ र्क र्क ॥ २ मनु न ॥
 आकृति वि स र्क र्क ॥ य र्क र्क
 नं आकृति वि य र्क र्क ॥ उं उं उं
 र्क र्क र्क र्क र्क न व य स्वाहा ॥
 र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क ॥ उं उं उं
 व र्क र्क र्क र्क र्क र्क ॥ य र्क र्क
 वाक्का ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ला गुह ग न र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 व दिस म र्क ॥ अ र्क र्क र्क र्क
 र्क र्क ॥ अ रि म ठ र्क र्क र्क र्क र्क
 वी य र्क र्क ॥ नाना वि य र्क र्क र्क
 म द र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 र्क ॥ व र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क ॥
 ॥ निला कृति य र्क र्क र्क र्क र्क
 स्वाहा ॥ ॥ न ना द वा र्क र्क
 थय या अ नू क म न य र्क र्क र्क
 ॥ धू य ॥ दी य ॥ जा य ॥ स्त्री य ॥
 यं व र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 वा य र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 आदिन थ व थ व र्क र्क र्क र्क

निविर्त्यरु ॥ ॐ ह्रीं श्रीं स्वाहा ३ ॥
छिन्नयि ॥ गान ॥ गीगा नन्दमरुति
ना जवदना ना गमय विनाध
नी ॥ अदोयुजिनसर्वकाशस
मयः कुञ्जपुवर्णकला ॥ मरु
सिनगलस्यत्रातिरुगवान्
विद्याविधिं सिधकी ॥ सप्तस्थ
युधमादका दिदधाना धनी
सुदायव ॥ छिन्नयि ॥ ॐ ह्रीं
श्रीं स्वाहा ॥ गान ॥ गीगा सनवकु
कनाथयिथियसीध कश्च
लाजुननिकान् जनधर्मवृत्त
॥ श्रीवलिसूनसगनिम् ॥ अति
नाजथना यायादयन्वसिना
छिन्निवाहना ॥ काकेय
लायस्वाहा ॥ छिन्नयि ॥ गान ॥
वन्द्यसदासकलकलिकसा
नकुन कश्चधर्मनलकया
लकदाममाला ॥ मर्त्यगम
शमनहनककार्त्तुहर्त्त ॥
शल्लिर्गनिकुवन सुनव
लहाया ॥ ॐ ह्रीं वक्रायनास्वा
हा ॥ छिन्नयि यलास ॥ गान ॥ व
क्रानिवनवा हनययदनि ॥

स्यल्लिनासुन्दलि साकासुगकम
पुल्लुधनकनी कल्यानकोलक
नि ॥ सुवर्णदिति चयका दयि
यत्रातिनासदासर्वदा ॥ नाथवा
सननं नमामि छिन्नसाहीसात्रसा
लपुदा ॥ ॐ ह्रीं वक्रमाह
धनास्वाहा ॥ छिन्नयि ॥ अर्क ॥
॥ कदानी कश्चनकश्चजिन
छिन्नयिनाकलारुषनी ॥ रुका
निकननिठनादिवलयासु
काङ्कवृत्तमना ॥ शुली अक
कनागनयूलनिन्दवियल
मात्रनि ॥ नाथविसननं नमाः
मिसिलसा ॥ नाथलिसेनाय
हा ॥ ॐ ह्रीं वक्रमाना
स्वाहा ॥ छिन्नयि ॥ स्वयन ॥
कामानासिधिवाननकुसन
याशकिधनाष्टुष्टुनिसाद
वीसनसिन्हाष्टुनगना स
युजिनसर्वदा ॥ सालसानष्टु
वर्णनगुननि ॥ श्रीसाकारुसि
द्विकनीनादवासननं नमामि
सिनसा दनिद्रदयपुहा ॥

ॐ कौटिल्ये विस्मया ॥ शिवाय
 वरुणान ॥ ॥ शिवये क
 मनुस्यै कलनल ज्ञाया गदा
 दयदा वं वी कसु कं गनल
 नाकले विवसु कलाकया ॥
 नासा न वटु मा दानिलया वि
 स्म सात्रा वे सुवा नाथ वी सनन
 नमामि सिनसा विंसा रुमा :
 व्यायिनि ॥ ॥ ॐ कौनवा
 नादिस्मादा ॥ शिवाय दवन ॥
 वा नादि वलूना लया गवति
 प्राथ नकु मिधुना ॥ उन्नाया
 ठविद्या टद्या टद्या नने यष्टा
 नवा द्यद्येना ॥ सीमा मतिदस
 स्वप्नस्य मरुय नदवस्य या
 दानुजा नादि विसनन नमा
 मि सिनसा वी क्कार्थ सिद्धि क
 नि ॥ ॥ ॐ कौय एन्द्राय
 नीस्मादा ॥ शिवाय ॥ सनिकथ
 ॥ माने ॥ ॥ एन्द्रा निरुक्ति
 नासिनी य वलिना लक्का
 यना युक्ता ला वकी कुरुष्टम
 स्वने धनवति नकु य रासा
 निना ॥ कुरुयि विविष्टुदुर्ग

आख्या
 910
 ASMA ARCHIVES



असपिबुलाविनिनिदुन्योन

असपिबुला

ननिकले. सुदिपिनासर्वदा. ता
नदिसनन नमामिहि नसास्य
कालिसं नायदा ॥

ॐ द्वाय वामपुत्रय स्वाहा ॥ वन
धि ॥ गत ॥ वामपुत्रय वपुः
मपुत्रय लनि. साक्षि वनिनास
ना. सार्द्धं विदस्व मे चर्म. रु
नकन. सुकिं मे मपुत्रय न ॥ या
संगाम किपुया लधन खं चूना
असाधनानि. नद वासननं.
नमामिहि नसाक्षि नार्थक्यना
सना ॥ ॥ ॐ द्वाय मदा

लक्ष्मी स्वाहा ॥ असु ॥ गत ॥

आरुणा कुवनधलिष्ट प्रल
या. संगममणि द्विकनी. अर्द्धा
मनिदेह्य किन्न वनन. सयुक्ति
सर्वदा. आनिर्वय कलन अ
नय नागनामरुय. नद वा
सननं नमामिहि नसा. लक्ष्मी
युनाया कला ॥ ॥ ॐ द्वा

या आशिनी स्वाहा ॥ गत ॥

सिद्धयुक्त सपुष्पा नलवानू
नगा. नका मवादनष्टु रान

नमः शुभमाला ॥ काशाधनकव
युनामिषविन्दरुसा नक्षत्र
मा ॥ सुसगनं कुलयोगमात्रा
॥ अश्विनयानं आशुनिविय
॥ उं ऊं ऊं ऊं सुकुन्दमहा रुनवा
यसाहा ॥ सिलठि ॥ वठसि ॥ भा
ग ॥ यानवृद्धकयालयादि ॥
मूलवार्त्त आशुनिविय १०६
भाग ॥ युनिष्ठि नाशिदवधि
यादि ॥ दवयाठशुनिनलाय
॥ यष्टुजाश ॥ हिरुयमाल ॥
धनदवाश्चनविधि ॥ पुष्टुजाश
यं वधनावाय ॥ वंथुलान
सथन ॥ यान ॥ याइ ॥ वाकु ॥
रुका ॥ वल ॥ वायु ॥ विन ॥ सि
ध ॥ स्थान ॥ यजन ॥ लूमा मज
नक्षत्रायां यादका ॥ वृद्धदखिन
दि ॥ सुं नकाधलायां यादका
॥ यष्टि ॥ म ॥ दद ॥ वृं खिलध
नायां यादका ॥ उ वृं नल ॥
नासाक ॥ यमा सुगन्धधलायां
यादका ॥ वृं मध्वस ॥ सुना ॥

सुं वलयानधलायां याद
का ॥ मासाशुनियानं ला
क ॥ नथ ॥ १०६ ॥ सुलामूल
य ॥ वासल ॥ ॥ शिन ॥
निनादनदि चउसंस्काल
॥ यं वामननमान ॥ म्मुथुस
यं वेश्वरतथं न ॥ वग ॥ सिंध ॥
जजमका ॥ दिस्ति ॥ स्थान ॥ का
इयाननयथ ॥ अशुननन
॥ मासाशुनिलामूलथ ॥ हल
दि ॥ वि ॥ वकन ॥ अतकन
संयुक्त ॥ अवाक ॥ धनम
डा ॥ जजमानना आययक
॥ वाक ॥ संह ॥ सुहस्य
नजलायानि ॥ काशसपिस्ति
नदक ॥ निकालं मासमक
उ सुहशकननयुया ॥ सि
द्धिमाससमान ॥ कोडाऊद
धिसंज्ञन ॥ उ वका ला ॥ ला
मन ॥ सालिनं पुलसाधिनं ॥
यायनं उशिषादवं सुकुन्द
द्यानययध ॥ काशमासकाल
धवयाननं जवयानन ॥

कालानुगुणं सानिः दधना
युक्ति यथायथं ॥ आवाय
दक्षिणा ॥ उक्तमानन आवा
ह्नाय ॥ वाक् ॥ आवाय य
मूर्त्त्या क्वागामीसं उवदा
षयानि ॥ ॥ यं वक्ष

नाह्नाय ॥ गात्र ॥ मरुत्तया
विषनायां विद्विनास रु
लयदा ॥ ० ॥ नकाभाला उजा
म्यायां व्याधिनासरुलयदा
॥ ० ॥ क्षीरध्वजिष्ठमभना
यां आयुवृद्धि रुलयदा ॥

॥ उल्लुपुगभनायां लं
क्वावृद्धि रुलयदा ॥ ॥ म
ध्विलयो नभनायां मध्व
सर्पिसभनकं ॥ यं चैभना
वसिष्ठानि उला कर्मनि सि
द्धिनि ॥ ॥ शिलुजयय
मंग ॥ अद्यान ॥ वरु ॥ वनिशि
३ ॥ रुकान ॥ सकान ॥ गमथ
यज्ञली ॥ अथययामगुनं भ
न ॥ २० ॥ सध्वजमूलनभ
न २० ॥

आह्नामं यथा २० ॥ उवला
हान उव उवला स ॥ स्व
वलाहाथ स्वव उवला
स ॥ सांथा ॥ साथा ॥ नृष्वल
मध्वस ॥ शिनदूय स्त ० ॥
धमूलन रुना ॥

हादय वनमृनिदय ॥

मीसाह्ना निविस्वद ॥ गात्रया
य ॥ निदव ३ ॥ वृक्षान्यादि ८
याग्नि १ ॥ गमभन ॥ धनं लं
स्वकानभन ॥ स्वस्वद विस्व
क्वेट १ ॥ ॥ उडादि १ ॥ हिउ
कादि १ ॥ अग्निनागादि ८ ॥
नवग्रहरे ॥ साला उजादि
नन वयिठियार्ग १ ॥ रुनव
रुर्म् ॥ नकिनिशुर्म् ॥
दुर्म् रुर्म् ॥ ॥ उं जा रु स्वाहा ॥
उं जा रु व स्वाहा ॥ उं जा रु
स्वाहा ॥ उं जा रु रु व स्वाहा ॥
उं जा रु सा या न नाय स्वाहा ॥
उं जा काला पठ नाय स्वाहा ॥

ॐ क्रीं क्रीं क्रीं स्रष्टुं महाक
नवाय स्वाहा ॥ अतस्तु क्रीं
ठधन ॥ यानष्टु निस्रान
नयुष्टु ॥ वाक् ॥ दिग्धा
नैवैवसर्वं गानवदुक्तद्वं
आशिनिक्रवाली ॥ यदि
। ल्यां सर्वदवा सगानगान
युनं स्रष्टुं लीकृन्तुं क्रीं ॥
आ नै क्रीं वयुष्टु ॥ अत्रा
वलिसदिना यं योयानदि
श्रीं ॥ स्रष्टुं सासर्वदवा
अस्मिन्नेवज्ञनायाउउक
स्वनीस ॥ लददिनाविय ॥

इदं क्रीं

समयसग ॥ सनामूल ॥ लक्ष्मी
॥ सनवा ॥ मृग ॥ कदष्टुनि ॥
मास ॥ मृग ॥ अग्निस्त्रय ॥
ऊऊमानादिसमयविसीरु
॥ अर्यन ॥ यिनिधनायादि
॥ समैवियनथिय ॥ ॥ या
० याय ॥ नवगुहयानं ॥ अद्रु
निविय ॥ अदिनस्तु सानवा ॥

अं क्रीं क्रीं स्रष्टुं स्वाहा ॥ गान
॥ नकवर्ष महागजवक
यद्यसाभलनि ॥ सकासात्र
थमात्रुगुहलाई नमास्रुद
॥ सामया ॥ रुयमल ॥ योवीय
सामाया स्वाहा ॥ गान ॥ अमृग
शुमादानं क्रीं यष्टुनीककना
धनं ॥ दंसासनस्मिन्नेदव न
मामिष्टननन्दन ॥ ॥ अं ग
ल ॥ युका ॥ क्रीं क्रीं क्रीं अमृगनाय
स्वाहा ॥ गान ॥ ॥ स्रष्टुं नय
धनं दव ॥ अकिरुस्रुदनासन
॥ लादिनाई महानं क्रीं रुष्टु
नैयुनमाम्रुद ॥ वृष ॥ अका ॥
वां वां वृष आय स्वाहा ॥ गान ॥
॥ यद्रासनस्मिन्नेदव साम
यष्टुसाभिना ॥ नानायना
विदवसं वृष्टुनयनमाम्रुद
॥ वृष्टुयनि ॥ लक्ष्मी ॥ अं क्रीं क्रीं
वृष्टुयनय स्वाहा ॥ गान ॥
वावयनिमहादीकि यिनाम
नविकुषिर्न ॥ अकदिनाष्टु
नृमादेन नमै वाष्टुनृवनम ॥

ॐ क॥ क॥ क॥ लि॥ ड॥ ड॥ ड॥
कायसादा॥ ॥ ग॥ ॥ ॐ क॥
देवगुनदत्त॥ ॐ क॥ नृपमहा
कवि॥ ॐ का॥ भिदवनाजसु
नमामि सुगुनचन॥
गनिष्ठन॥ मास॥ ॐ ॐ ॐ
गनेष्ठनायसादा॥ ॥ ग॥
॥ दिवाकलसंग्रामाकाया
हृदयनचन॥ ना॥ ना॥ न॥
यादिफि॥ ऊ॥ नी॥ मि॥ ग॥
ॐ ॐ ॐ ॥ ना॥ ॥ म॥ ॥
ॐ ॐ ॐ ना॥ व॥ सा॥ दा॥ ॥ ग॥
॥ क॥ ला॥ दि॥ व॥ म॥ हा॥ को॥ ध॥
सि॥ रु॥ का॥ न॥ न॥ र॥ स॥ र॥ व॥ ॥ अ॥
ध॥ श॥ क॥ य॥ व॥ नी॥ र॥ न॥ म॥ मि॥
ला॥ रु॥ द॥ व॥ ना॥ ॥ क॥ ॥ ॥ क॥
ला॥ न॥ ॥ ॐ ॐ ॐ क॥ न॥ व॥ सा॥ दा॥
॥ ग॥ ॥ ॥ अ॥ ध॥ ग॥ रु॥ ज॥ ग॥
का॥ र॥ स॥ र॥ ह॥ रु॥ वि॥ वि॥ न॥ रु॥ क॥ ॥
य॥ मि॥ न॥ ल॥ म॥ फ॥ स॥ रु॥ न॥ न॥ म॥ मि॥
क॥ रु॥ द॥ व॥ ना॥ ॥ ॥ अ॥ म॥ ॥ अ॥
क॥ न॥ ॥ ॐ ॐ ॐ अ॥ म॥ न॥ सा॥ दा॥

ग॥ ॥ ॐ न॥ स॥ ना॥ म॥ न॥ ध॥ ला॥
ॐ व॥ च॥ न॥ रु॥ मि॥ न॥ ॥ उ॥ म॥ या॥
स॥ दि॥ ना॥ द॥ वा॥ अ॥ म॥ द॥ वा॥ न॥ मा॥
सा॥ र॥ ॥ ॐ नि॥ न॥ व॥ रु॥ द॥ ॥
य॥ न॥ ॥ ग॥ ॥ अ॥ दि॥ न॥ स॥ मि॥
म॥ श॥ ना॥ व॥ ध॥ अ॥ न॥ सा॥ दा॥ ॥
व॥ द्वा॥ य॥ ना॥ र॥ ॥ य॥ वा॥ ॥ म॥ न॥ ॥
ॐ ॐ ॐ व॥ द्वा॥ य॥ नि॥ सा॥ दा॥ ॥
गि॥ न॥ थि॥ य॥ ना॥ स॥ ॥ ग॥ ॥ ॥
व॥ रु॥ रु॥ अ॥ र॥ स॥ मा॥ न॥ रु॥ ध॥ व॥ रु॥
म॥ स॥ र॥ म॥ न॥ रु॥ धि॥ नि॥ ॥ यी॥ ना॥ म॥
दि॥ व॥ द॥ मा॥ ना॥ व॥ व॥ द्वा॥ य॥ नी॥ य॥
न॥ मा॥ रु॥ न॥ ॥ ॥ मा॥ हा॥ स॥ ना॥
र॥ ॥ ना॥ य॥ ॥ म॥ न॥ ॥ ॐ ॐ ॐ क॥ मा॥
र॥ स॥ ना॥ सा॥ दा॥ ॥ ग॥ ॥ न॥ म॥ मि॥
गि॥ न॥ सी॥ द॥ वि॥ नि॥ रु॥ ल॥ व॥ न॥ ध॥
न॥ नि॥ ॥ न॥ वा॥ क॥ मा॥ ह॥ नि॥ द॥ वा॥
मा॥ रु॥ ध॥ लि॥ य॥ न॥ मा॥ रु॥ न॥ ॥
का॥ मा॥ लि॥ र॥ ॥ न॥ य॥ ॥ म॥ न॥ ॥
ॐ ॐ ॐ क॥ मा॥ नि॥ सा॥ दा॥ ॥ ग॥
॥ ग॥ कि॥ रु॥ सा॥ म॥ हा॥ का॥ या॥ म॥
य॥ ना॥ स॥ न॥ र॥ मि॥ नि॥ ॥ वा॥ ल॥ हा॥

[illegible]

महालक्ष्मीं ॥ ॐ ॥ मन्त्र ॥
 ॐ ह्रीं महालक्ष्मी स्वाहा ॥
 मान्त्र ॥ दिव्यगिरिचन्द्रसंस्तुता
 नः तिस्रुलवलक्षणनि ॥
 वृषवाहननिमहादेवी ॥ म
 हा लक्ष्मी प्रणमोस्तुते ॥
 ॐ निवृत्त्यादि ॥ ॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं वृत्ताय नित्याहा ॥
 मान्त्र ॥ वृत्ताय नमः ॥
 यलनित्यादि ॥

अस्वस्वामादि अष्टा नंकी
 वियो नं आकनि विसीरु ॥
 यूवा ॥ अस्वस्वामाय स्वाहा
 ॥ गण ॥ बुद्ध आनि नमस्तु
 र्यज्ञाना वा आष्टुता नव
 ॥ वदवदाज्ञ संयुक्त मस्व
 स्वा माय वेनम ॥ वेका ॥ व
 लिव स्वाहा ॥ गण ॥ कुमिस्व
 र्ज स्यापि कुमिदान न
 मस्तु न ॥ संक्रदव रुविद्व
 ति नमामि वलिव नम ॥
 अद्व न ॥ व्यासाय स्वाहा ॥

॥ गण॥ सर्वसा सु सु सु न
आ नैर्गं का नु य दि वि नै ॥
य व दं मि तु सा सु रं नम
सु सु वा स दे व ना ॥ क द
यु लि ॥ ह नू मं ना य सा हा
गण ॥ ॥ न का व र्ण म हा
वि नं वा य पु त्र नि ना व नि
॥ कं रु म न रु लं पि नि ह नू
मा ना य वे न म ॥ म्वा न ॥ वि
रु ष ना य सा हा ॥ ॥ गण ॥
यो ल सु जा नि न म सु रं
ल का या स न व सु म ॥ ना
क सा धि य नि द रं न म सु
सु वि रु ख न ॥ मा स ॥ कृ या
य सा हा ॥ गण ॥ ना क ना वि
न म सु रं रा क रा डा उ क
ना रु व ॥ कृ य ष न तु मा सु
रं धी ना रु व तु वि क म ॥ म
ग ॥ य न सु ना मा य सा हा ॥
गण ॥ का र्ति का वी ल न स
नि य न शु रु स म हा व ल ॥

ना क ना एक वि स ला य
न शु ना मा य वे न म ॥ रं
॥ ॐ जा मा र्क ॥ अ य सा
हा ॥ ॥ गण ॥ वा न व र्ण
स मा न रं दू र म कं तु वा
स स ॥ ना क ना वि न म सु
रं मा र्क ॥ अ य वे न म ॥
ॐ नि ज सु वि ली डि वि ॥

ॐ डा दि वि र्ण ॥ त्र नु रं ॥
आ क नि ॥ ॐ जा ॐ अ य सा
हा ॥ ॥ ए को ॥ गण ॥ वे ला व न म
जा नु धा सु रु सा वि सु न ष वि
॥ यो न व र्ण म हा न क व क या
नि न मा सु रं ॥ ॥ य का ॥ ॐ जा
ज मि य सा हा ॥ गण ॥ ज न ज
उ स ना थ य म हा न उ स म
द वा ॥ काला मा ला वि रु षा य
॥ अ कि रु रं न मा म दं ॥ ॥ नि
सि ॥ ॐ जा उ मा य सा हा ॥ गण
॥ म दि व रं क ना ना य द शु रु
स रु य क न ॥ काल या स व न
रु रं ॥ अ य द दि ने दि ग य नि ॥
का ना न ॥ ॐ जा न म सा य सा

हा॥ ॥ गण॥ नेमस्य अष्टिद
 म्नाय ध्यानं चैव कृत्वा नमः॥
 नमः नमः समा नमः नीलाय
 लदयानिर्ग॥ ॥ कायमन॥
 ॐ ज्ञा व नूनाय स्वाहा॥ गण
 व नूनं मकुमासिर्न सदृष्ट
 ह निरुषिर्न॥ नाशयास्य
 नरुर्न नमस्तु सानिदायकं
 ॥ ॥ ऐच्छा॥ ॐ ज्ञा वायुया
 य स्वाहा॥ गण॥ वायुय
 अरु साय शुभ सर्व वायकं
 ॥ ध्यानं नमः नमः नमः हलि
 नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 ॐ ज्ञा व नूनाय स्वाहा॥ गण॥ अ
 वली मस्तुमासिर्न सर्वमम
 हाहर्न॥ शुभ नमस्तु नमस्तु
 पुनस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ यल
 मास॥ ॐ ज्ञा ॐ सानाय स्वाहा॥
 गण॥ वृषस्तु संकर्षानं स
 र्वरु नमस्तु सानिर्व॥ कायमन
 अरु साय शुभ वायानि नमस्तु
 ॥ ॥ अक्षर॥ ॐ ज्ञा अननाय
 स्वाहा॥ गण॥ अननय नमस्तु

कौ. रुना नाग छुन रुन ॥ विष्णु
 दामयनी कासं कुम्भी नृपय
 पूजयन् ॥ युवा ॥ ॐ कौ उद्ध
 कृत्वा यस्मात् ॥ नाग ॥ यानेया
 नेव उर्वारु वृक्षानेव उतान
 न ॥ हस जानयनि कासं दध्म
 कृत्वा कमन्दलू ॥ थनसं थवश्
 मन्त्र नञ्जानि ॥ वृनिनाक
 याल ॥ ॥ यूना ॥

ऊऊमानसं आद्रुनि ॥ ऊऊ
 स्वाहा ॥ अ० ३ ॥ आवा शसं
 आद्रुनिविय ॥ ऊऊ ऊऊ
 आवा शमन्तु सिद्धि नस्तु स्वा
 हा ॥ अ० ३४ ॥ सानिकवि
 य ॥ होमयात्र सर्वां श्वधिन
 िक्युदय ॥ मन्त्र ॥ ऊऊ
 वङ्गीकृतं रुद्र स्वाहा ॥ अ० १०८
 ॥ यूक्तीकविय ॥ होमयात्र
 यात्र गिलथि क्युदय मन्त्र
 ॥ ऊऊ ऊऊ स्वर्द्धमहा रेन
 वाययस्ति नस्तु स्वाहा ॥ अ० १
 ८ ॥ ल्यं क्ता ॥ अ० ॥ स्नानवा ॥
 लाजा ॥ नाय ॥ समिध ॥ शिवथि

मुनादक ॥ इजा ॥ वेनरुन ॥
 बाल ॥ जयलय ॥ मनु ॥ स्वस
 दवा समनु ॥ अत्र ३४ ॥ स्व
 धुन्दमनु ॥ अत्र ३४ ॥ अ
 र्नामनु ॥ अत्र ३४ ॥ उ ॥ अद
 क ॥ धनीजा ॥ वदलिरुल ॥
 धूनकनस ॥ यीयंउ ॥ सुमुख
 ॥ धामय ॥ सननिल ॥ हा
 यमल ॥ कषुनिल ॥ हास ॥
 नकनित ॥ काइलामल ॥ म
 लय ॥ यायनी ॥ धुति ॥ तिकु
 ॥ निरुला ॥ हनद ॥ बरुल
 ॥ अमद ॥ नयकसन ॥ यद
 कसन ॥ वदनरुलि १०६ ॥
 अरुनि ॥ रुरुनि ॥ धीषु
 ॥ कयूल ॥ कसुनी ॥ सर्वअ
 षधि ॥ वासल ॥ कंध ॥ मून ॥
 ७७ ॥ रुन ॥ यकवान ॥ लद
 वामाधि ॥ ७७ ॥ उ ॥ अरुन
 र्वद १०६ ॥ अरुलरुन १०६ ॥
 इद ॥ अयथागसन ॥ ७७ ॥
 मूलनआसालेनसनइदया
 १०६ ॥ दसवनिविय ॥ दिदव ॥

वक्रान्यादि ॥ अठिनजादि ॥
 रुतुकादि ॥ अऊनादि ॥ वतु
 षक्ति ॥ महावलि ॥ आरुनि
 विषकन ॥ आवाययुजा
 अंनसंकल ॥ दिगयुजा ॥
 धुनाइनिवृ य कौ ॥ स्वधुन्द
 मूननअसालेनसनइदया ॥
 १०६ ॥ धुनादियवृलिका ॥ अ
 षालनसनइदया ॥ १०६
 ॥ गयतिनआय ॥ धुनाइनि
 विय ॥ ७७ ॥ दि १ ॥ वहाइ
 नि ॥ वतु ॥ वानरुननयमनु
 ॥ नुदससाहा ॥ नाकससा
 साहा ॥ नाकससाहा ॥ नक
 नसा ॥ साहा ॥ नाधिससा
 हा ॥ विस्वगनससाहा ॥ क
 गुयालससाहा ॥ रुगससा
 हा ॥ दकिनी ॥ दसवलिदिस
 र्जन ॥ अरुन ॥ यनिगमाचन
 ॥ यूर्णयान ॥ आरुनिवियम
 नु ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥
 नवायसाहा ॥ ३४ ॥ स्वदवि
 समनु ॥ अत्र १०६ ॥ ७७ ॥ वन

सिध॥स्वान॥उज्जमका॥अद
वानश्वन॥उज्जमान॥रुव
कऊनक॥आचार्यस्य॥उवा
चतुवाऊनमाल॥युष्मिया
यवाक॥॥गण॥वधायः
खीगकस॥कपि नमूलरुना
मण्डनयद्रुआनि॥कलागा
गुम्माग॥ससिकनशकन
सकनसा नक्षयक॥युष्म
नकावमदि॥॥उज्जमादायया
ना॥यायाउदवायनमूनन
या॥रुनवाकानवाया॥स्र
स्रदविसगागु॥सर्वस्य
पुष्पानिसमूलसुखादा॥
स्रश्चन्दमूलनयुष्म॥॥उवा
अधमूर्खकला॥मण्डलवा
य॥स्वानकवाय॥३॥आ
संसा॥स्रस्रदविसगागु॥

उज्जमानमसार्क॥सर्वाज्ञानसर्वाक॥सर्ववदन॥सर्ववकासादय॥॥उज्जमान
ललित॥सुसोम्यवदन॥आवोमदवाकुर्न॥आनीधीनक नालथानवदन॥आनीमूर्खद
स्वित्॥युष्मन्तयुनसुधमनिवदन॥वृक्षलुयाला॥उज्जमानकयदसुसोमि
ददन॥अमर्कवधमध्वन॥यानालवनहाटकोध्वनमूर्ख॥नालाजुस्ययुजिन॥नि
र्यनिलय॥नाष्टमलुनिपद॥समूलोदकानन॥सर्वद्रुवनमसिनिनिलउशन
सोलाकनार्थविव॥॥उज्जमानमलुकोयाय॥॥उज्जमानकसमनागदिमक
निकनिरा॥रुगकर्यूनकानि॥॥प्रकास्यवनिर्ण॥वतुनकुऊधन॥दानरुस
रुयव॥युष्मकर्मवरुस॥अष्टिषकनिकन॥दक्षवामनि सार्क॥सार्थमूर्ख

मल्लेनरुणदुर्गं दानमर्जुयधर्मं सार्यं धीदवदवा जयतुवनसदा सुकिदामुकि
दाव ॥ जद्वानादौवल्लेवं नष्टिनिषिष्टुनिका यातुका रुवनलं याता लीदिवसिद्धिं त्रिस्तु
वनमद्विर्गं दिव्यविनामलिष्ठ ॥ सिद्धिः दिव्योषधिना यनयुनवासनं गमनं दर्शनं वा दं न
नद्यास्यप्रसादा त्सरुवनि रुवनामग्निदवायुस्त्रा ॥ वृक्षाविष्णुसकाकालनियमकना
८ नद्व ॥ याष्टिसमिर्न ॥ ४ ॥ जकस्याननदग्ने शुरुगनसद्विर्गं सैश्वर्यं अकृनाग ॥ रुनवा
सिद्धिवा नाद्वनिगुरुपदुर्गं चन्द्रसूर्योदिदवा यागिन्यासर्वदवा ॥ ४ ॥ नवनमिना ॥ यातु
वासर्वदवा ॥ यावका राक्षसस्य युवनिन रुद्रं यावकासगङ्गा ॥ यावके लीनगमद्या ॥ ग
गनगनयनि ॥ ४ ॥ गमयनिर्वाग नस ॥ यावद्वृक्षा ॥ विष्णुसूत्रेयनि सद्विर्गं निकृगमन ॥

६ ॥ नावयुगध्वयोत्र सगनयनिवर्गं दानयुजाविधिना ॥ सकाचानष्टसंगिता क्रनव
दं दवादिपूर्णा सुभा ॥ नानाकामरुलोदयं दगं नं संयुर्ण कामयुदा ॥ वल्ले वल्ले
मानि सैयुक्तनिर्गं सिद्धानमनास्थिर्गं ॥ दिवादादनिदा ॥ तुतुविर्गुगवान् सानन्दनूर्य
धिर्व ॥ ३ ॥ ऊऊऊमेषुसंकादिगविदिगसमा सुस्मिनादवनाया ॥ ऊँधवावक्रिमध्य सक
लयनिर्गने मणुनयथल्लिर्वा ॥ नसर्वसलुदवा अकिमनवनका मनु संगी यमूडा ॥
मूडायुजाविधना यऊनयनिवर्गं कानदाखाकर्युत ॥ मणवकाऊस्ययाका ऊऊ
नयनयद ॥ ४ ॥ गमयवदाषरुस्ते ॥ यषां यथोदिगिर्यं सथयथवदनं वादिर्गं व
अथार्थ ॥ गमयनि कस्य गमर्गं नयनमूयनिषुद्वक् ॥ ४ ॥ वदं कृ ॥ विष्णुप्रकृन्म

लिंरुवतुवसुमनि. ऊरु नृयिवनारु॥

॥सुयिनासर्वधवा. हविसकलकृग
अग्निमृगानिरुक्ता॥कलायूर्ध्वसुसार्ध. सकलधुसुदया. सान्निर्कयस्मिन्कस्य
॥संगस्वानस्य सर्वे. अकिमनवनदा. सर्वसिद्धिददन्तु॥गर्दविनीमिरुक्ता. स

कनधुनगना. ऊरु नृयिनभास्तु॥

॥अस्यनुमैलार्थसुतु. कैसेल्लुलि
न. दिशधवनासुयिनावनदरुवन्तु॥शीशीशी०००सूधवनायाऊरुनिमित्ता. थ
न॥सिस्मानकनृयालाय. वक्रायादि. ज्जिनाऊ. मदाकेनवाय. प्रयाशमदि. ऊ
यादि. यागिनिसदिनाय. गन. वतुक. केणयालाय. रुतुकाय. सगमलाय. सग

नयनीवानाय. दिशविदिशा. चन्द्रादिलोकयालाय. धुयिनावनदरुवन्तु॥रेन
वाग्निरुहानाकाय. मूर्च्छस्था. ऊअसास्तीको. रुनवनदाया. नारुवन्तु॥धुमसु
सर्वजगन्सर्वानि. तुनकआमानि. यलयानि. सानिसवन्तु०सर्वजन. सुदिनो
रुवन्तु॥अमवाक्र. नस्य०००रुवन्तु॥आवाभर्मन्नुसिद्धिनस्तु. नाजाभर्मविक्रयल्लस्तु
०युजासुखिनसस्तु०सर्वसत्त्वाधुषिरुवन्तु०धर्मनेकालवर्षियमस्तु॥द्विपथचतुष्टयार्थो
. सानिरुवन्तु. युष्टिरुवन्तु॥

॥कनाद्यासुतुशावा. नयवियूलमनि. यातुलोकाभनीत्या॥सौर्यजसाधयुगो. कुलक
वनिजन. जानिआवाविनास॥लोकांनीरुकितावा. प्ररुवन्तुवियुज. रुकिअवाधुका

सु॥ ॥ अस्मत्तु नाम्नाभियतिः क्षीर्णाँ अमूकनामस्य सप्तसिद्धिर्नस्तु॥ कङ्कमानस्य कङ्क
मानिनी अवनसिद्धनः सुगानवृद्धिर्नस्तु॥ कङ्कमानस्य सुगनवृद्धिलिवानानी आयूजाभा
रुमसार्थः कनधनेलक्किः सुगानवृद्धिलस्तु॥ सुग८ सुत्रनिर्गर्गः शुक्किनिनाविधस्तुः
याथादया॥ नाकानाप्रिनिपालयः निवष्टुधधर्मादिना सर्वदा॥ कानसुगनेवर्षिनाकल
सुव८ सुत्रयकामादिना॥ मादनाधनवृद्धिर्वा धवस्तुक्षेत्रे सिद्धिमादास्तदा॥

॥ स्वस्ति युजानी ॥ युतिवालराख्यं न्यायेनमा र्जननमस्मिदि सु ॥ अमब्राह्मण ८
ॐ नमस्तु निर्गला कामसमसाधुविना रुर्वतु ॥ कालेवर्षीयुयमी न्या ॥ वि सत्यामा
लनी ॥ दसायी कामलेदिना ब्राह्मना सेतुनिरु या ॥ ॥ अरुना नाननेका

अने
कनमकनकनं, ऊकनं चानीसम्, मद्रायुजाविभनाकमयः कनविभोशुसमरुः नम
रुः ऊरुऊमिषूदाबाद्वानयिनकनि, सर्वलोकि कनार्थ, सर्वसंपूर्णभव, कालनदनव
दयी कलिसूयसना ॥ अकननारुनवकुकि गावा, वायल्यदाभान्नयप्रका
वौ, नुनाधिकर्मप्रकयाधलेस, कमस्यदवाप्तदमदेना ॥ ल्यगानिसर्वकुगानी,
संस्किगाचैलावभ ॥ अकनयनरुगानी, अकाल्ययनमध्यना ॥ कर्मा नामनसावा
वा, नगान्यायादिर्वकमान् ॥ अकनं वाक्कृतिनं, नगुल्लेकनासर्न ॥ मंगुदिनकी
यादिनं, रुकदिनं नथेवव ॥ अयत्तमाश्चैर्नदिनं, कर्मनीयनमध्यना ॥ १५
कासक ॥ आत्मआधिर्वाद ॥ अथियर्ध ॥ वक्रायनिन, अस्तनविसऊन ॥

श्वनीत्रसलंखकाय॥उका
 नवायुविऊहादि॥चतु
 र्वदिसकुसुमथिकायाव
 रुन॥वाक्क॥गुरु॥जूको
 नासदिनंहादि।

वलिविसर्जनं ॥ अग्निस
 र्जुलकाय ॥ अरुविस
 र्जनं ॥ गच्छ गच्छ ४२ यं ४३
 ४४ अमासं सानवादनं ॥
 अग्निकालयदवा ॥ अग्न
 गच्छ गच्छ ४५ ॥ अग्निस
 म ॥ ॐ अग्निकालयदवा ॥
 ४६ ॥ ॐ अग्निकालयदवा ॥
 ४७ ॥ ॐ अग्निकालयदवा ॥
 ४८ ॥ ॐ अग्निकालयदवा ॥
 ४९ ॥ ॐ अग्निकालयदवा ॥

[illegible]

॥वन॥शिधुन॥मोदनि॥
सखन॥लान॥दवसखान
॥सखनस॥यंयष्टुनकादि
य॥दनसा॥आदिन॥कुरु
क्राय॥आलनि॥क्रुनके
न॥समयविय॥अममस
॥ककलयुजाकाय॥साखि
थाय॥वृनिष्टीरुनवाग्नि
कुरुयधनिसमाक॥अम॥

यचैस्वानवायदिशःपूर्व
यथा॥दक्षिनदाक॥यष्टि
मकाइ॥उरुनशाय॥
मन्धवाइ॥

उयमन्यमहत्तुयनाम
आचार्यनवायावसाय
ष्टुक्रसकमिकक्रुधून
काशनाक्रम४५॥समन७०
श्रीश्रीरुवानियितिलेसु॥
क्रमस॥

यूजाआलनदयक॥ठाय
॥यानास॥धुनि॥यिनाउ॥
धुयवास॥वन॥सिधुनना
गल॥उजमकायू३०॥
कर्णयनाकाश४॥यचै
यनाकाश३०॥अद्वान
याना१०॥यंयनाउकायन
काठ३॥खजखद॥दिसि
श४॥काइयानकाठ॥
यंयनथरु२॥कडुक॥
यंयष्टुनकाअदा॥सि
मनायोत॥क्षमसि॥धन
यैक्रन॥बालखवत॥
जंमनसखद॥नेयूर
उ॥कंद॥लडुवामाधि
खद॥खल॥नियाडाक
ल॥६॥नियाअकनखवत
१०॥खंदायिताल१०॥
धनियानददयाट॥यं
वामनकु॥कलस॥नादा
लयाखद॥सहलशिधु
न॥माव॥क्रमकनयान॥
॥सिधुमूउखद॥वलिया
न२॥दसवलियान॥

रुंजावनखद२॥ म्याला
 नवनय२॥ अत्र्याट०
 ॥ नवनय०॥ दजा० बलि
 जा॥ अत्रि॥ चलयनिवा
 यं वषात्र३॥ हामलक
 द॥ शकुकद॥ अकन
 द॥ युवाकद॥ वदिव
 द॥ कवा३॥ सानवा
 प्रकैल॥ कायामलकल॥
 ॥ यत्रकाकैल॥ अयुका
 प्रकैल॥ शकुक॥ म्याट
 यु॥ कालोटयु॥ अकन
 यु॥ युवायु॥ नाययु॥
 लययु॥ मंगयु॥ निसि
 यु॥ यत्रमासयु॥ रुनि
 यु॥ शकयु॥ नूकाट॥
 ययं३॥ समूक॥ सनया
 य॥ अयकसन॥ यद्रक
 सन॥ चंदनगुलि१५॥ गु
 गुनि॥ अगुनि॥ अर्यत॥
 कस्तुरी॥ कयू॥ मनय
 ॥ यियनि॥ अं०॥ हनद॥

वदनल॥ अमल॥ धूनका
 ल॥ कायमन॥ अरुहाम
 न॥ हामन॥ यंत्रनावन३
 ॥ वासल॥ वंथयानं॥ स्वा
 यु॥ यादू॥ वनू॥ वाकू॥ रुकू
 माकू॥ ॥ दखिन॥ दि॥
 यकूम॥ दद॥ ॥ उतल
 नासाक॥ ॥ मधु॥ शुना
 हामयागुसनावन॥
 स्वाजयानंवासन॥ मत्रव॥
 यियलि॥ अत्रि॥ हनद॥ व
 हनद॥ अमत्र॥ संधू॥ स्ववा
 कू॥ जिनि॥ हकजिनि॥ अ
 मून॥ दि०॥

अकं२॥ वनयुनिर्क२॥

अनियानवासल॥ मि०॥
 अनामी॥ यहा॥ कठ॥
 याधन॥ अंकूम॥ मिचकि
 सि॥ हलदि॥ स०॥ ययसा
 न॥ मरुक॥ यनसर्व३॥ अ
 धि॥

एसा नधि वनास सि अक
 सि स्वयनसि वन गतसि
 देवनसि सनिकथसि
 वनसी कस ॥ मार्गकाश
 न ॥ ॥ सिनठि वनवृक्ष
 शयनवृक्ष दीवनवृक्ष
 वृणवृक्ष अस्रुवृक्ष
 वैकैकनवृक्ष पद्मासवृ
 क्ष स्थानार्कवृक्ष अस्र
 रुवृक्ष वटवृक्ष ॥ ॐ ह्रीं
 दिशन ॥ ॥ अर्केसि य
 नास स्वयन ज्यामार्ग
 वलीशन दम्भून् सनिक
 ॐ शुदगा कस वल
 सि ॥ नवग्रहया ॥ ॥ अ
 कसि बालसि आसान
 सि यनाखसि अस्यसि
 शम्भात्रिसि अम्बसि नू
 यस्मानसि अष्टदिनीति
 वि ॥

[illegible]

कदम्बनयज्ञा

रवाल

सुयमन

काम

धर्मनार



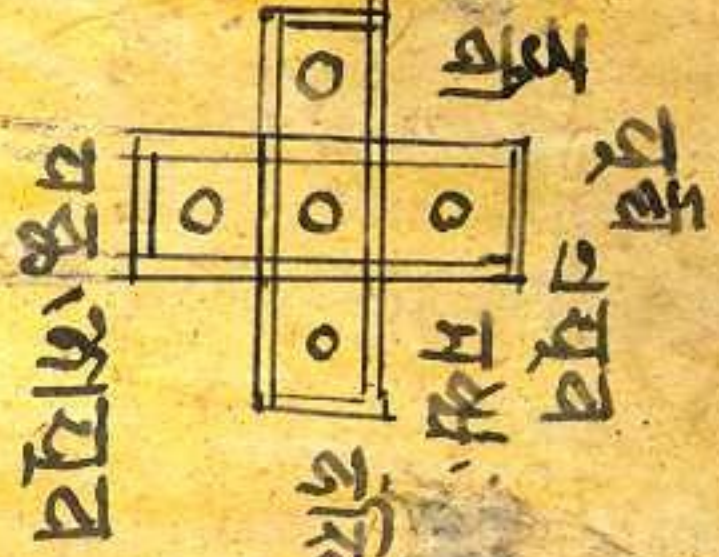
रवकला



शवनजा



उत्तर
क्राद



वनि, सिकवलि

प्राण



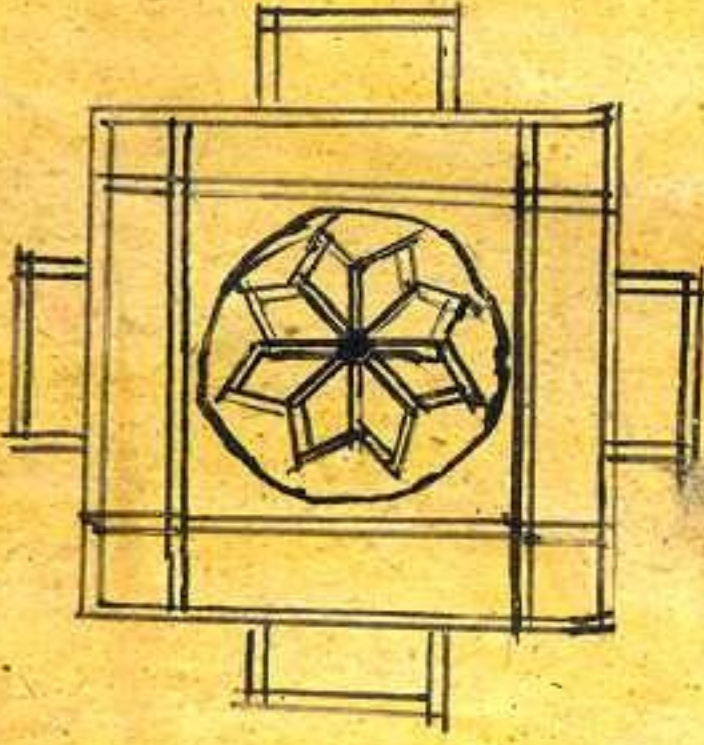
मगानिउ

कर्म

कदम्बनयज्ञा



यनिन



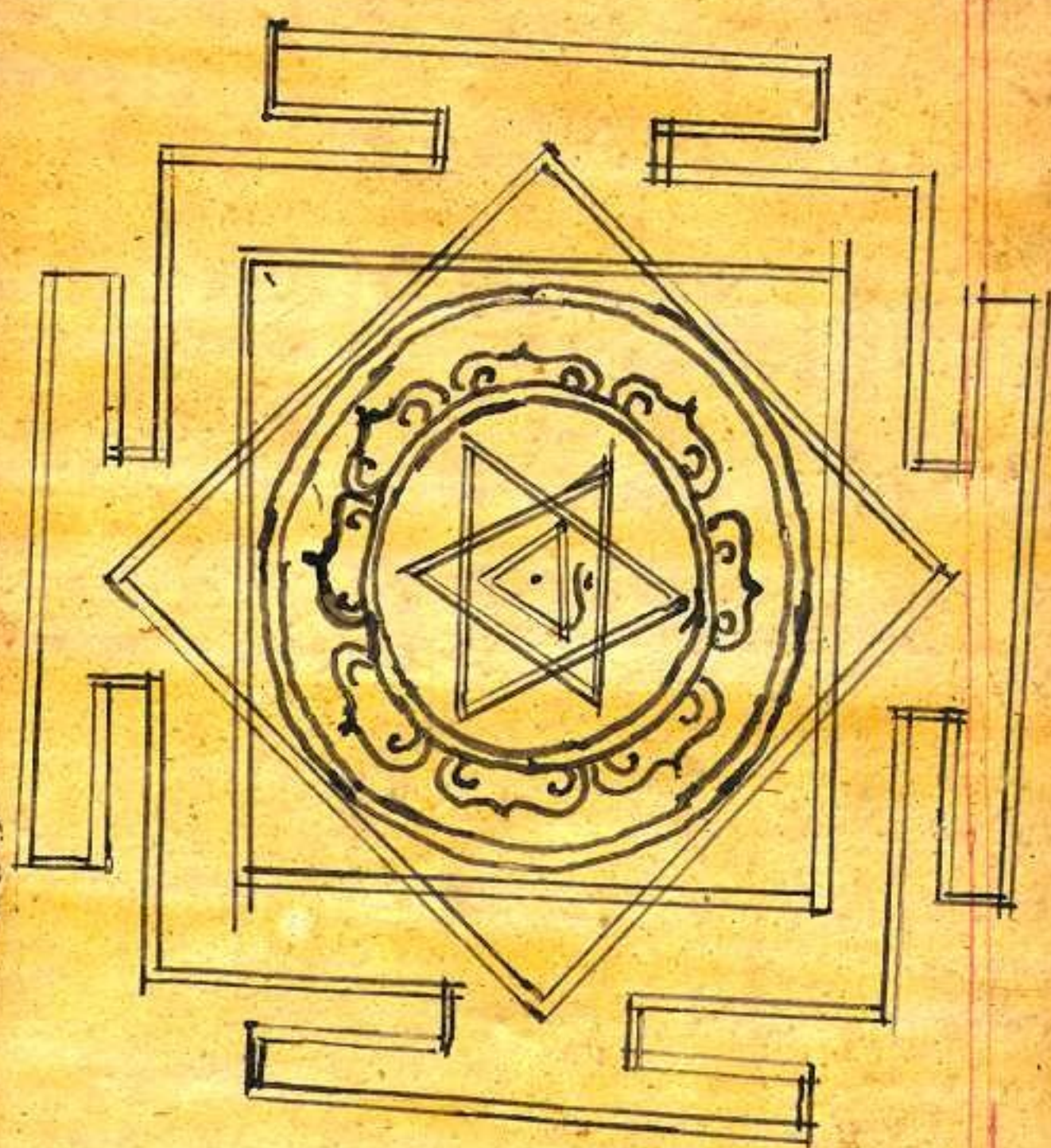
वक्रा

प्राण
सिन्हासन

कसवल



० ० ०
याथयाय



पर्व	वावि	१	आश्विन	वेङ्कटि	१
दाक्षिणा	मंवि	१	नेत्रसल	मंजुवि	१
वशिष्ठ	मंवि	१	कापक	मंजुवि	१
उत्तर	मंवि	१	द्वेष्टान	मंजुवि	१

वज्रवि

पर्व	मंथ	१	वेङ्कट	१	वे
दाक्षिणा	मंथ	१	मंता	१	क्र
वशिष्ठ	मंथ	१	मंता	१	क्र
उत्तर	मंथ	१	मंता	१	क्र

वे-क्र-क्र